राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी का दर्जा

प्रिलिम्स के लिये:

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, डिनोवो श्रेणी

मेन्स के लिये:

डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा और इसके लाभ, भारतीय शिक्षा प्रणाली में सुधार

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नई दिल्ली में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (National Council of Educational Research and Training - NCERT) का 63वाँ स्थापना दिवस मनाया गया, जिसमें NCERT की उल्लेखनीय उपलब्धि को देखते हुए उसे सम्मानित **डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी** का दर्जा दिया गया।

आयोजन के प्रमुख बिंदु:

- **'जादुई पिटारा' के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा में क्रांति:**
  - राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा विकसित 3 से 8 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिये खेल पर आधारित शिक्षण-प्रशिक्षण सामग्री **जादुई पिटारा** को बदलाव के एक साधन के रूप में देखा जा रहा है, जिससे देश के 10 करोड़ बच्चों को लाभ होगा।
- **मातृभाषा को बढ़ावा और उन्नत प्रौद्योगिकियों का एकीकरण:**
  - इसमें क्षेत्रीय भाषाओं को संरक्षित करने तथा उन्हें बढ़ावा देने के लिये **मातृभाषाओं में शैक्षिक सामग्री विकसित करने के महत्त्व पर बल** दिया गया।
    - इसके अतिरिक्त इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि NCERT **अणुवादिनी जैसे सॉफ्टवेयर** की मदद से सभी 22 भाषाओं में शैक्षिक सामग्री विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध है।
  - इस कार्यक्रम में **राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के सभी 7 क्षेत्रीय केंद्रों में ऑगमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब स्थापित करने का सुझाव** दिया गया।
    - इसका उद्देश्य भारत को अनुसंधान और नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाने के लिये इन केंद्रों को भविष्य के लिये तैयार बुनियादी ढाँचे के साथ विश्व भर की नवीनतम प्रौद्योगिकियों से सुसज्जित करना है।
- **उद्योग 4.0 के लिये तैयारी और शिक्षक प्रशिक्षण का मानकीकरण:**
  - इस कार्यक्रम में **शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को मानकीकृत करने, इसे प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (Early Childhood Care and Education- ECCE) ढाँचे के सिद्धांतों** के साथ संरेखित करने का आह्वान किया गया।
  - उद्योग 4.0 द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के समाधान के लिये भारत के युवाओं को तैयार करने पर ध्यान देने के साथ भारत के कोविड-19 महामारी प्रबंधन और चंद्रयान 3 जैसे समसामयिक विषयों को कवर करने वाली संक्षिप्त पुस्तिकाएँ बनाने का प्रस्ताव रखा गया था।
    - इसका उद्देश्य भारतीय मूल्यों और लोकाचार को स्थापित करते हुए युवा पीढ़ी को नवीनतम विकास के बारे में जानकारी प्रदान कर जागरूक करना है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद:

- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद एक **स्वायत्त** संगठन है जिसकी स्थापना वर्ष 1961 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत की गई थी।
  - यह स्कूली शिक्षा से संबंधित मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सलाह देने वाली शीर्ष संस्था है।
- यह निम्नलिखित से संबंधित विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का संचालन करती है:

    - शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार
    - पाठ्यचर्या विकास एवं पुनरीक्षण
    - पाठ्यपुस्तकों और अन्य शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास
    - शिक्षक शिक्षा और व्यावसायिक विकास
    - शैक्षिक मूल्यांकन एवं आकलन
    - शिक्षा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुसार, **प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE), स्कूली शिक्षा और वयस्क शिक्षा** के लिये NCERT राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) विकसित करने वाली प्रमुख एजेंसी है।

डीम्ड यूनिवर्सिटी:

- **परिचय**:
    - डीम्ड यूनिवर्सिटी उच्च शिक्षा हेतु एक संस्थान है जिसे **UGC अधिनियम**, **1956 की धारा 3** के तहत [विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC)](#) द्वारा मान्यता प्रदान की जाती है।
        - यह संसद या राज्य विधानमंडल के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित या निगमित नहीं है, बल्कि **UGC की सिफारिश पर केंद्र सरकार द्वारा इसे विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया** है।
    - एक डीम्ड यूनिवर्सिटी को **शैक्षणिक स्वायत्तता** प्राप्त है तथा वह अपने स्वयं के पाठ्यक्रम, प्रवेश मानदंड, शुल्क संरचना, संकाय भर्ती तथा परीक्षा प्रणाली डिज़ाइन कर सकती है।
- **डे-नोवो श्रेणी (De-Novo Category):**
    - NCERT को 'डे-नोवो' श्रेणी के तहत डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया गया है, **जिसका अर्थ है कि इसे ज्ञान के नए या उभरते क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिये मान्यता दी गई है**।
        - डे-नोवो इंस्टीट्यूशन अद्वितीय और **"ज्ञान के उभरते क्षेत्रों" (Emerging Areas of Knowledge) जैसे- जैव प्रौद्योगिकी, [नैनो टेक्नोलॉजी](#), अंतरिक्ष विज्ञान इत्यादि** में शिक्षण एवं अनुसंधान में नवाचारों के लिये समर्पित एक संस्थान है।
- **डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा प्राप्त करने के लाभ:**
    - वे किसी अन्य प्राधिकरण से अनुमोदन प्राप्त किये बिना **शिक्षा क्षेत्र की बदलती ज़रूरतों तथा मांगों के लिये प्रासंगिक, नए पाठ्यक्रम और कार्यक्रम** भी शुरू कर सकते हैं।
    - वे **अकादमिक आदान-प्रदान, अनुसंधान परियोजनाओं, संकाय विकास** और छात्र गतिशीलता के लिये राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों के साथ सहयोग कर सकते हैं।
    - वे विविध पृष्ठभूमि और क्षेत्रों से जुड़े अधिक छात्रों तथा शिक्षकों को आकर्षित कर सकते हैं, साथ ही **विभिन्न स्रोतों से आर्थिक सहायता** भी प्राप्त कर सकते हैं।
    - वे **NEP 2020 को लागू करने में** अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं, जो भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली में बदलाव की परिकल्पना करता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. वुड डिस्पैच के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-से सही हैं? (2018)

1. सहायता अनुदान व्यवस्था (ग्रांट्स-इन-एड) शुरू की गई।
2. विश्वविद्यालयों की स्थापना की सिफारिश की गई।
3. शिक्षा के सभी स्तरों पर शिक्षण माध्यम के रूप में अंग्रेज़ी की सिफारिश की गई।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ncert-attains-deemed-university-status